दिव्य ज्योति

गुरुदेव हमारा प्यारा का पद ३

नित्यानन्द शरण जो जावे,
बोध उजाला सो ही पावे।
मुक्त होत है निर्धार,
है जीवन को आधार।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।